सत्यमेव जयते
भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
Government of India
Ministry of Human Resource Development

कला उत्सव

कला उत्सव 2018 – दिशानिर्देश

Kala Utsav 2018 – Guidelines

Kala Utsav 2018—Guidelines

कला उत्सव 2018—दिशानिर्देश

अक्तूबर 2018
अश्विन 1940
PD 3H RPS & SU

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2018

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016
द्वारा प्रकाशित तथा ..... द्वारा मुद्रित।

विषय-सूची

1.	**कला उत्सव — एक विरासत**	**1–3**
2.	**कला उत्सव के लिए दिशानिर्देश**	**4–7**
	2.1 कला के प्रकार	
	2.2 पात्रता	
	2.3 राष्ट्रीय कला उत्सव	
	2.4 प्रविष्टियाँ	
	2.5 पुरस्कार	
3.	**राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के लिए मापदंड**	**8–12**
	3.1 संगीत गायन (एकल) प्रस्तुति	
	3.2 संगीत वाद्य वादन (एकल) प्रस्तुति	
	3.3 नृत्य (एकल) प्रस्तुति	
	3.4 चित्रकला	
4.	**राज्य/संघ शासित प्रदेश के सचिव/आयुक्तों की भूमिका और उत्तरदायित्व**	**13–14**
	परिशिष्ट — I	**15–16**
	परिशिष्ट — II	**17**

CONTENTS

1. Kala Utsav — The Legacy **18–20**

2. General Guidelines for Kala Utsav **21–23**

2.1 Art Forms

2.2 Eligibility

2.3 National Level Kala Utsav

2.4 Entries

2.5 Awards

3. Guidelines for National Level Competitions **24–27**

3.1 Vocal Music (Solo)

3.2 Instrumental Music (Solo)

3.3 Dance (Solo)

3.4 Painting

4. Role and Responsibilities of the State/UT Secretary/Commissioner **28**

Annex — I **29**

Annex — II **31**

1. कला उत्सव — एक विरासत

कला उत्सव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की वर्ष 2015 से एक ऐसी पहल है, जिसका उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को पहचानना, उसे पोषित करना, प्रस्तुत करना और शिक्षा में कला को बढ़ावा देना है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में सौंदर्यबोध और कलात्मक अनुभवों की आवश्यकता और इसके द्वारा विद्यार्थियों में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता के ज्ञान प्रदान करने को मान्यता देता रहा है। कला शिक्षा (संगीत, नाटक, नृत्य, दृश्यकलाएँ एवं ललित कलाएँ) के संदर्भ में की जा रही यह पहल राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 की अनुशंसाओं पर आधारित है।

हालाँकि, भारत में कला एवं कलात्मक कौशल प्राप्त करने की परंपराएँ प्राचीन काल से रहीं हैं, परंतु विद्यालय स्तर पर अभी भी कलात्मक प्रतिभा को पहचानने की एक अचर प्रक्रिया विकसित करने की आवश्यकता है। हमारे यहाँ कला के माध्यम से सीखने-सिखाने की वर्षों पुरानी परंपरा रही है। ऐसी परंपराएँ व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को जहाँ सामुदायिक स्तर तक ले जाने में सहायक होती हैं, वहीं उनका प्रभाव और योगदान समाज के विकास पर भी परिलक्षित होता है।

कला शिक्षा को एक ऐसे माध्यम के रूप में माना जा सकता है जो विद्यार्थियों में सौंदर्यबोध का विकास करने के साथ-साथ ही उनमें कला के विभिन्न रूपों, रंगों, ध्वनियों और गतिओं के प्रति संवेदनशीलता उत्पन्न करे। यह भी प्रमाणित तथ्य है कि कला

का शिक्षा में समन्वय, रचनात्मकता, समस्या समाधान, कल्पना-शक्ति विकास और बेहतर अभिव्यक्ति को बढ़ावा देता है।

वर्ष 2015 में आरंभ हुआ कला उत्सव, स्कूलों में कलाओं के उत्सव की वह पहल है जो प्रत्येक वर्ष आयोजित हो रही हैं। इस उत्सव को वर्ष 2016 एवं 2017 में भी मनाया गया। जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर कला उत्सव की संरचना इस प्रकार की गई है जिसमें कला प्रस्तुतियाँ एवं प्रदर्शनियाँ सम्मिलित हैं। कला उत्सव की संरचात्मक प्रक्रिया, विद्यार्थियों को भारत की जीवंत पारंपरिक कलाओं के समझने, अनुसंधान एवं प्रस्तुतीकरण करने में सहायक होती है। यह उत्सव विद्यार्थियों में भारत की जिला, राज्य या राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत और उसकी जीवंत विविधता के प्रति जागरुकता लाने एवं उत्सव मनाने का मंच प्रदान करता है। यह उत्सव न केवल विद्यार्थियों में बल्कि उनसे जुड़े सभी व्यक्तियों में भी संस्कृति का प्रचार एवं प्रसार करता है। भविष्य में यह उत्सव शिल्पकारों, कलाकारों और संस्थाओं को विद्यालयों के साथ जोड़ने में सहायता प्रदान करेगा।

कला उत्सव, प्रतिभागी विद्यार्थियों के जीवन-कौशल को बढ़ावा देने में भी मदद करेगा जो भविष्य में भारतीय संस्कृति के दूत के रूप में तैयार होंगे। कला उत्सव, विद्यालयों के माध्यम से हमें हमारी मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को पहचानने और समझने में सहयोगी है।

कला उत्सव केवल एक बार में ही समाप्त हो जाने वाली गतिविधि नहीं है, बल्कि यह कलात्मक अनुभव को पहचानने, खोजने, अभ्यास करने और प्रदर्शन की संपूर्ण प्रक्रिया का प्रथम चरण है। एक बार इस प्रक्रिया का हिस्सा बनने के बाद प्रतिभागी विद्यार्थी अपनी जीवंत कला शैली को प्रस्तुत करने के साथ-साथ, उस सांस्कृतिक अनुभव एवं मूल्यों पर आधारित जीवन जिएंगे।

कला उत्सव की परिकल्पना एक समन्वित मंच उपलब्ध कराने का प्रयास है, जहाँ सामान्य विद्यार्थी और विशेष आवश्यकता समूह वाले विद्यार्थी (भिन्न क्षमताओं और विभिन्न आर्थिक-सामाजिक पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थी) एक साथ अपनी क्षमताओं

का उत्सव मना सकें। यह उनकी प्रतिभा को पोषित करने एवं दिखाने हेतु उचित अवसर एवं अनुकूल वातावरण प्रदान करेगा और सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया को और अधिक मूर्त, रचनात्मक एवं आनंददायी बनाएगा। सभी विद्यार्थियों (सामान्य विद्यार्थी, वंचित वर्ग से आए विद्यार्थी तथा दिव्यांग) द्वारा एक साथ मंच साझा करने से बहुत सी पूर्वगामी सामाजिक रूढ़ियाँ भी टूटेंगी।

इस पहल से विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को अपनी छिपी हुई प्रतिभाओं को दिखाने का बेहतर अवसर मिलेगा और वे दूसरे विद्यार्थियों के साथ अपनी इन कलाओं को साझा कर सकेंगे। इस प्रक्रिया से उनकी मौलिक प्रतिभा धरातल के स्तर से निकल कर राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचेगी और ये विद्यार्थी दूसरे छात्रों के लिए प्रेरणा का बेजोड़ स्रोत बनेंगे।

2. कला उत्सव के लिए दिशानिर्देश

2.1 कला के प्रकार

कला उत्सव 2018 का केंद्रबिंदु किसी भी पारंपरिक, शास्त्रीय, लोक या समकालीन कलारूपों एवं शैलियों से संबंधित होगा। प्रतियोगिता हेतु निम्नलिखित कलारूप सम्मिलित किए गए हैं—

- संगीत (गायन)
- संगीत वाद्य वादन
- नृत्य
- चित्रकला

महात्मा गाँधी के 150वें जन्म समारोह के अंतर्गत प्रत्येक राज्य एवं संघ शासित प्रदेशों में आयोजित एकांकी नाटकों की प्रतियोगिता में चयनित सात क्षेत्रीय प्रस्तुतियाँ कला उत्सव 2018 के दौरान मंचित की जाएंगी। केंद्रीय विद्यालय संगठन एवं नवोदय विद्यालय समिति द्वारा संचालित विद्यालयों का प्रतिनिधित्व दो दलों द्वारा किया जाएगा। इस संबंध में अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएँ अलग से दी जाएंगी।

2.2 पात्रता

सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय और गैर सरकारी विद्यालयों के 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थी कला उत्सव 2018 में भाग ले सकते हैं। प्रत्येक राज्य एवं संघ शासित प्रदेश में गैर सरकारी विद्यालय एवं अन्य केंद्र सरकार

के संस्थानों (जैसे — सी.टी.एस.ए., एन.सी.ई.आर.टी. के डेमोन्सट्रेशन मल्टीपर्पस स्कूल, रेलवे स्कूल, बी.एस.एफ़., सी.आर.पी.एफ़., आर्मी, एयर फ़ोर्स, कैन्ट बोर्ड्स, एन.डी.एम.सी., इत्यादि) के विद्यालय अपने राज्य में जिला स्तर एवं राज्य स्तर की कला उत्सव प्रतियोगिता में राज्य एवं संघ शासित प्रदेश के अन्य विद्यालयों के साथ प्रतियोगिता में भाग लेंगे। केंद्रीय विद्यालय संगठन (के.वि.सं.) और नवोदय विद्यालय समिति (न.वि.स.) अपने स्तर पर अपने विद्यालयों में प्रतियोगिता आयोजित करेंगे और चारों कला रूप में चयनित दो सर्वश्रेष्ठ टीमें (एक, के.वि.सं. के सभी चारों कला विधाओं की और एक, न.वि.स. के चारों कला विधाओं की) राष्ट्रीय कला उत्सव की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भेजेंगे। इस प्रकार राष्ट्रीय कला उत्सव में कुल 38 दल (36 राज्य/संघ शासित प्रदेशों के और केंद्रीय विद्यालय संगठन एवं नवोदय विद्यालय समिति का एक-एक दल) भाग लेंगे।

2.3 राष्ट्रीय कला उत्सव

विभिन्न राज्यों, संघ शासित प्रदेशों, के.वि.सं. एवं न.वि.स. द्वारा चुनी हुई श्रेष्ठ प्रविष्टियाँ, उपरोक्त वर्णित श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का राष्ट्रीय कला उत्सव, में प्रदर्शन करेंगी। राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता में कला के प्रत्येक चयनित क्षेत्र से संबंधित कला के शिक्षक या कलाकार या विशेषज्ञ का अलग-अलग निर्णायक मंडल होगा। वही पूरे कार्यक्रम के दौरान निर्णायक मंडल के सदस्य रहेंगे। सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, के.वि.सं. एवं न.वि.स. से आग्रह है कि वे कृपया नई जानकारी के लिए कला उत्सव की वेबसाइट (http://www.kalautsav.in) देखते रहें।

नोट — राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, के.वि.सं. एवं न.वि.स. से आने वाले दलों के लिए तथा उनके साथ आये (अनुरक्षकों के लिए) एवं प्रतिभागियों की स्वीकार्य संख्या के आधार पर आवासीय सुविधा एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली द्वारा उपलब्ध करायी जाएगी। इसकी सूचना सभी प्रतिभागी विद्यालयों को दी जाएगी।

2.4 प्रविष्टियाँ

प्रत्येक राज्य, संघ शासित प्रदेश, के.वि.सं. एवं न.वि.स. प्रत्येक कला श्रेणी में दो प्रतिभागी — एक छात्र एवं एक छात्रा प्रतियोगिता हेतु भेज सकते हैं। इस प्रकार प्रत्येक राज्य, संघ शासित प्रदेश, के.वि.सं. एवं न.वि.स.द्वारा अधिकतम आठ प्रविष्टियाँ पूर्व में वर्णित कला प्रकार (पैराग्राफ़ 2.1) में भेज सकते हैं।

राष्ट्र स्तरीय कला उत्सव की प्रस्तुति छात्र एवं छात्रा द्वारा विद्यालय के अधिकारियों, कला शिक्षक, शिक्षिका एवं विशेषज्ञों के निर्देशन में तैयार की जानी चाहिए। इन प्रस्तुतियों में किसी भी प्रकार के बाहरी, व्यावसायिक एवं पेशेवर कलाकार का सम्मिलन स्वीकार्य नहीं होगा। हालाँकि, सभी संबंधित गतिविधियों में विद्यालय के शिक्षक या शिक्षिका का मार्गदर्शन अपेक्षित एवं वांछनीय है।

प्रत्येक राज्य/संघ शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. के द्वारा प्रस्तुत प्रतिभागियों की अधिकतम संख्या निम्नलिखित है —

संगीत गायन (एकल) प्रस्तुति	1 छात्रा 1 छात्र
संगीत वाद्य वादन (एकल) प्रस्तुति	1 छात्रा 1 छात्र
नृत्य (एकल) प्रस्तुति	1 छात्रा 1 छात्र
चित्रकला	1 छात्रा 1 छात्र

प्रत्येक राज्य, संघ शासित प्रदेश, के.वि.सं. एवं न.वि.स. द्वारा एक शिक्षिका, प्रतिभागी छात्राओं तथा एक शिक्षक प्रतिभागी छात्रों के अनुरक्षक के रूप में अपने-अपने दल के साथ आएँगे।

दिव्यांग छात्र या छात्रा के लिए एक अतिरिक्त अनुरक्षक, जो कि उनके माता/पिता अथवा उनके शिक्षक अथवा शिक्षिका हो सकते हैं, की स्वीकृति है।

इस प्रकार प्रत्येक राज्य, संघ शासित प्रदेश, के.वि.सं. एवं न.वि.स. आठ (8) प्रतिभागी विद्यार्थी एवं 2 या 3 शिक्षक/अनुरक्षक अर्थात् कुल 11 सदस्यीय दल भेज सकता है।

2.5 पुरस्कार

प्रत्येक विजेता (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वालों) को प्रत्येक कला रूप में जीती गई राशि विजेता राज्य, संघ शासित प्रदेश, के.वि.सं. एवं न.वि.स. के खाते में डिजीटली स्थानांतरित की जाएगी। विजेता प्रतिभागियों को एक ट्रॉफ़ी और एक मेडल प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक प्रतिभागी को प्रतियोगिता में प्रतिभागिता के लिए एक प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक कला रूप में पुरस्कार राशि निम्नलिखित है —

प्रथम पुरस्कार	—	**₹ 25,000/-**
द्वितीय पुरस्कार	—	**₹ 20,000/-**
तृतीय पुरस्कार	—	**₹ 15,000/-**

3. राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के लिए मापदंड

सभी नोडल अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सभी व्यक्तिगत रूप से प्रविष्टियों की जाँच करेंगे तथा परिशिष्ट — I एवं II पर दिए गए प्रपत्रों को भरकर अपलोड करने या भेजने से पूर्व उनका प्रमाणीकरण अवश्य करेंगे।

3.1 संगीत गायन (एकल) प्रस्तुति

- प्रस्तुति की अवधि 4–6 मिनट की होगी।
- तकनीकी साज-सज्जा और उसे हटाने, प्रस्तुति के लिए आने अथवा जाने के लिए 5 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा।
- प्रस्तुति किसी भी मान्य शैली/पद्धति (पारंपरिक/शास्त्रीय/लोक/समकालीन आदि) में हो सकती है।
- सांगीतिक प्रस्तुति किसी भी भाषा अथवा उपभाषा में हो सकती है।
- संगीत वाद्यों पर संगतकार विद्यालय के शिक्षक हो सकते हैं।
- प्रतिभागी एक निश्चित ट्रेक/वृन्दवाद्य की सहायता लेकर गा सकते हैं एवं सांगीतिक प्रस्तुति दे सकते हैं। इस स्थिति में टीम को अपने वाद्य यंत्र स्वयं लाने होंगे।
- प्रतियोगिता के आयोजक द्वारा प्रतिभागियों को संगीत वाद्ययत्रों जैसे — तबला, ढोलक, ढोल, नाल, हारमोनियम, तानपुरा, की बोर्ड आदि में संगतकार की

आवश्यकता की अग्रिम सूचना, नोडल अधिकारी द्वारा भरकर तथा प्रमाणित करते हुए निर्धारित परिशिष्ट — I के साथ अवश्य जमा करा दें।

- प्रतिभागी एवं शिक्षक या शिक्षिका अथवा सहायक के अतिरिक्त कोई भी संगतकार मान्य नहीं होगा।
- प्रस्तुति की गायन शैली/पद्धति, गीत का मूलपाठ विषयक सारांश को अधिकतम 100 शब्दों में समाहित कर निर्धारित परिशिष्ट — I के साथ अग्रिम रूप से अवश्य भेजें। इन प्रपत्रों को नोडल अधिकारी द्वारा भरकर भेजने के बाद इसके जमा किए जाने की सुनिश्चितता, विद्यालयों को अपने स्तर पर करने की सलाह दी जाती है।

मूल्यांकन प्रपत्र — संगीत गायन

राज्य/संघ शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. का नाम —

प्रस्तुति का शीर्षक —

पद्धति या गायन की शैली	सुर	ताल	बंदिश तथा गीत के शब्दों का उच्चारण	सृजनात्मकता	मौलिकता	प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	20	20	15	10	10	15	100

3.2 संगीत वाद्य वादन (एकल) प्रस्तुति

- प्रस्तुति की अवधि 4–6 मिनट की होगी।
- तकनीकी साज सज्जा, प्रस्तुति के लिए तैयारी करने के लिए और प्रस्तुति के बाद उसे हटाने तथा पुनः प्रस्तुति हेतु तैयार करने के लिए अतिरिक्त 5 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा।
- प्रस्तुति किसी भी मान्य शैली/पद्धति (पारंपरिक/शास्त्रीय/लोक/समकालीन आदि) में हो सकती है।
- इस श्रेणी में किसी भी भारतीय संगीत वाद्य का वादन किया जा सकता है (तबला, मृदंगम, सितार, सरोद, बाँसुरी, गिटार, वायलिन, वीणा, संतूर, शहनाई, आदि)।
- प्रतिभागी को प्रस्तुति हेतु वाद्य स्वयं ही लाने होंगे तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार का भुगतान या खर्च की परिपूर्ति आयोजक द्वारा नहीं की जाएगी।
- वेशभूषा, मंच सज्जा और मंच का साज सामान प्रस्तुति से संबंधित होना चाहिए।

मूल्यांकन प्रपत्र — संगीत वाद्य वादन

राज्य/संघ शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. का नाम —

प्रस्तुति का शीर्षक एवं वाद्य का नाम —

वादन की श्रेणी/शैली	सुर	ताल	रचना एवं धारिता	प्रस्तुति की प्रामाणिकता एवं रचनात्मकता	वाद्य का संचालन	प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	20	20	15	10	10	15	100

3.3 नृत्य (एकल) प्रस्तुति

- नृत्य प्रस्तुति की अवधि 4 से 6 मिनट की होगी।
- तकनीकी साज-सज्जा जमाने या हटाने, प्रस्तुति के लिए आने तथा प्रस्तुति के पश्चात् जाने, आदि के लिए 5 मिनट अतिरिक्त दिए जाएँगे।
- नृत्य प्रस्तुति किसी भी श्रेणी की, पारंपरिक/शास्त्रीय/लोक/समकालीन, हो सकती है। (आशा की जाती है कि नृत्य श्रेणी/प्रकार की सूचना तथा संगतकार वाद्य आदि आयोजक के माध्यम से चाहिए हों तो इसकी पूर्व सूचना भिजवा दी गई होगी तथा इसकी पुष्टि भी प्राप्त कर ली गई होगी।)
- संगीत लाइव/पहले रिकॉर्ड किया गया हो सकता है।
- वेशभूषा और मेकअप साधारण, प्रामाणिक, विषयगत और प्रस्तुति के अनुरूप ही होने चाहिए। सेट, वेशभूषा की व्यवस्था टीम अथवा दल द्वारा स्वयं ही की जाएगी।
- सांगीतिक प्रस्तुति की शैली एवं गीत आदि का मूलपाठ सारांश, अधिकतम सौ शब्दों में, नोडल अधिकारी द्वारा जमा कराए जाने वाले प्रपत्र परिशिष्ट — I के साथ संलग्न कर आयोजक के पास अवश्य भेज दिया जाना चाहिए।

मूल्यांकन प्रपत्र — नृत्य

राज्य/संघ शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. का नाम —

प्रस्तुति का शीर्षक —

नृत्य की श्रेणी/शैली	सुर/गीत का अंश	ताल	साज-सज्जा एवं शृंगार	वेश-भूषा	प्रामाणिकता	रचनात्मकता	प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	15	15	10	10	10	15	15	100

3.4 चित्रकला

- चित्रकला की प्रविष्टि/प्रविष्टियाँ किसी भी शैली, पारंपरिक/ आँचलिक, क्षेत्रीय/समकालीन, एवं किसी भी माध्यम, वाटर कलर्स/क्रेयॉन्स/तैलीय रंग/पेंसिल आदि, की हो सकती हैं।
- इस कला रूप प्रतियोगिता में प्रत्येक प्रतिभागी की एक ही प्रविष्टि मान्य होगी, जिसमें मात्र एक चित्र होगा।
- मान्य प्रतिभागी से यह अपेक्षित है कि वह राष्ट्रीय कला उत्सव 2018 के प्रतियोगिता स्थल पर ही चित्र बनाएँ। अपने साथ पूर्व में बनाया गया कोई भी चित्र नहीं लाएँ।
- प्रतिभागियों के लिए आवश्यक नहीं है कि वे अपने साथ चित्र बनाने की सामग्री लाएँ, लेकिन वे अपने साथ प्रतियोगिता में बनाने हेतु अपने चित्रकला के ब्रश एवं अन्य उपकरण लेकर अवश्य आएँ। चित्रकला सामग्री आयोजक द्वारा उन्हें प्रतियोगिता स्थल पर ही प्रदान की जाएगी। प्रतिभागी, जो भी की चित्रकला सामग्री जैसे कि तैलीय रंग, ऐक्रेलिक रंग, क्रेयॉन्स, पानी के रंग आदि की एक यथोचित मात्रा में सूची अग्रिम रूप से बनाकर, नोडल अधिकारी द्वारा संस्तुत कर भेजे गए प्रपत्र (परिशिष्ट — I) के साथ अवश्य रूप से संलग्न करवाकर भिजवाएँ।
- प्रतियोगिता के दौरान की जाने वाली पेंटिंग का आकार 3'×3' फ़ीट से बड़ा नहीं होना चाहिए।
- प्रतिभागी को पेंटिंग कर लेने के पश्चात् निर्णायक मंडल के समक्ष की गई पेंटिंग की विषय वस्तु/सार तत्व/ रंग-संयोजन आदि की व्याख्या करने को कहा जा सकता है।
- प्रत्येक दल को कार्य करने एवं उसे प्रदर्शित करने हेतु उचित स्थान प्रदान किया जाएगा।

- यह अति आवश्यक है कि प्रत्येक कलाकृति की शैली एवं प्रस्तुति का एक मूलपाठ सारांश, जो कि 100 शब्दों से ज्यादा न हो, नोडल अधिकारी द्वारा संस्तुत/अनुशंसित प्रपत्र (परिशिष्ट — I) के साथ संलग्न कर भेजा जाना चाहिए। कृपया हर प्रतिभागी सुनिश्चित करें कि दल का यह विवरण आवश्यक रूप से संलग्न किया गया है।

मूल्यांकन प्रपत्र — चित्रकला

राज्य/संघ शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. का नाम —

प्रस्तुति का शीर्षक —

थीम का चयन	रचना/ संयोजन	मौलिकता	शुद्धता/बारीकी/ कोमलता/सौंदर्य	प्रदर्शन	समग्र छवि	प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	15	20	10	10	15	20	100

4. राज्य/संघ शासित प्रदेश के सचिव/आयुक्तों की भूमिका और उत्तरदायित्व

राष्ट्र स्तर पर कला उत्सव 2018 में प्रतिभागिता हेतु अग्रेषित/अनुसंशा करने से पूर्व, राज्यों या संघ शासित प्रदेशों की प्रविष्टियाँ उस राज्य या संघ शासित प्रदेश विशेष के सचिव (शिक्षा) द्वारा स्वीकृत होनी आवश्यक होंगी, दल के सदस्यों की संख्या पूर्व में वर्णित निर्देश 2.2 से 2.4 के अनुसार ही होंगी। प्रत्येक राज्य, संघ शासित प्रदेश, केंद्रीय विद्यालय संगठन एवं नवोदय विद्यालय समिति का प्रतिनिधित्व कर रहे केवल 2–3 अनुरक्षक (सामान्य प्रतिभागी 2 शिक्षक एवं दिव्यांग के लिए 1 अतिरिक्त अनुरक्षक) ही यथातथ्य स्वीकृत किए जाएँगे या मान्य होंगे तथा किसी भी अन्य कर्मी को किसी भी राज्य, संघ शासित प्रदेश, के.वि.सं. एवं न.वि.स. के मान्य किए गए के अतिरिक्त एवं किसी भी परिवार के अन्य सदस्य या अनुरक्षी को प्रतियोगिता स्थल में न तो प्रवेश की अनुमति होगी एवं न ही कोई ठहरने या खाने एवं रहने की स्वीकृति आयोजकों अथवा स्वयं के खर्च वहन करने की स्थिति में भी नही दी जाएगी। इस प्रकार की व्यवस्था का कोई प्रावधान नहीं है। सुरक्षा कारणों एवं जगह की कमी के कारण से किसी भी राज्य, संघ शासित प्रदेश, के.वि.सं. एवं न.वि.स. के सक्षम प्राधिकारी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन टीमों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभागिता हेतु भेजा गया है, उनके द्वारा वर्णित दिशानिर्देशों का कठोरता से पालन किया गया है। यदि अतिरिक्त अधिकारी या कर्मी दलों के साथ आते हैं तो उस राज्य, संघ शासित प्रदेश, के.वि.सं. एवं न.वि.स. विशेष के दो अंक प्रति अतिरिक्त

अधिकारी या कर्मी, उनकी कला विशेष की प्रस्तुति में अर्जित कुल अंक तालिका में से कम कर दिया जाएँगे।

कला उत्सव निर्बाध रूप से चलता रहे, इसके लिए प्रतिभागी शिक्षकों एवं अनुरक्षकों से यह अनुरोध किया जाता है कि दल में साथ आने वाले छात्र या छात्राओं के उचित अनुशासन को सुनिश्चित करें। किसी भी तरह के गलत व्यवहार के लिए संबंधित दल के शिक्षक एवं अनुरक्षक ज़िम्मेदार होंगे और ऐसे मामलों में आयोजक द्वारा यथोचित कार्यवाही की जाएगी। राज्य, संघ शासित प्रदेश, के.वि.सं. एवं न.वि.स. के निष्पादित कलाओं (Performing Arts) के विषयान्तर्गत — संगीत गायन (एकल) एवं संगीत वाद्य वादन (एकल) जिसमें तबला, ढोलक/नाल, हारमोनियम, तानपुरा/तम्बूरा, की बोर्ड तथा संगतकारों की व्यवस्था आयोजक द्वारा की जाएगी। आयोजक इस व्यवस्था को सुनिश्चित करेंगे। प्रतिभागी और अनुरक्षकों द्वारा यह सुनिश्चितता बरती जाए कि उन्होंने, समय से अपनी वाद्यों एवं संगतकारों की वांछित आवश्यकता को प्रपत्र परिशिष्ट — I में वर्णित सक्षम अधिकारी की संस्तुति/स्वीकृति के बाद आयोजक तक पहुँचा दिया है।

परिशिष्ट — I

कला उत्सव 2018 में प्रविष्टियाँ भेजने का प्रथम प्रारूप

(राज्य/सं.शा.प्र./के.वि.सं./न.वि.स.द्वारा राष्ट्र स्तरीय प्रतिभागिता में भेजने हेतु।)

भाग क

सामान्य सूचनाएँ

1. राज्य/संघ शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. _____

2. प्रतिभागियों का विवरण —

क्र. सं.	प्रतिभागी का नाम	कक्षा	लिंग (पु./स्त्री/ अन्य व यदि दिव्यांग हैं तो विशेष आवश्यकता बताएँ	विद्यालय का नाम व पता (पिनकोड सहित) विद्यालय की श्रेणी (सरकारी/ अनुदान प्राप्त/के.वि.सं./ न.वि.स./प्राइवेट विद्यालय)	कला श्रेणी (संगीत गायन, संगीत वाद्य वादन, नृत्य अथवा चित्रकला)
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					
8.					

3. मान्य शिक्षक/अनुरक्षकों का वर्णन —

क्र. सं.	शिक्षक/ अनुरक्षक का नाम	पदनाम	लिंग (पु./स्त्री/ अन्य व यदि दिव्यांग है तो विशेष आवश्यकता बताएँ	विद्यालय का नाम व पता (पिनकोड सहित) विद्यालय की श्रेणी (सरकारी/ अनुदान प्राप्त/के.वि.सं./ न.वि.स./प्राइवेट विद्यालय)	कला श्रेणी (संगीत गायन, संगीत वाद्य वादन, नृत्य अथवा चित्रकला)
1.					
2.					
3.					

4. संगीत वाद्य एवं सहायक/संगतकार की आवश्यकता के लिए निम्नलिखित सामग्री के सामने सही (✓) का निशान लागाएँ। यह सहायता, कार्यक्रम स्थल पर रा.शै.अ.और प्र.प. द्वारा प्रतिभागियों को निःशुल्क प्रदान की जाएगी बशर्ते प्रतिभागी छात्र/छात्रा की आवश्यकता की **अग्रिम सूचना**, रा.शै.अ.और प्र.प. द्वारा कला उत्सव की इ-मेल आई डी पर प्राप्त हो।

   ❒ तबला

   ❒ ढोलक

   ❒ नाल

   ❒ हारमोनियम

   ❒ तानपुरा/तम्बूरा

   ❒ की बोर्ड

5. चित्रकला/चित्रकला सामग्री की अपनी आवश्यकता हेतु निम्नलिखित सामग्री के सामने सही (✓) का निशान लगाएँ। यह सहायता, कार्यक्रम स्थल पर रा.शै.अ.और प्र.प. द्वारा प्रतिभागियों को निःशुल्क प्रदान की जाएगी बशर्ते प्रतिभागी छात्र/छात्रा की आवश्यकता की **अग्रिम सूचना**, रा.शै.अ.और प्र.प. द्वारा कला उत्सव की इ-मेल आई डी पर प्राप्त हो। —

   ❒ ऑयल पेन्ट्स/तैलीय रंग

   ❒ वॉटर कलर/पानी के रंग

   ❒ एक्रलिक रंग/क्रेऑन

   ❒ पेंसिल कलर्स

6. हिंदी अथवा अँग्रेज़ी भाषा में हर एक प्रस्तुति का मूलपाठ विषयक/शाब्दिक अर्थ प्रस्तुति की शैली/गीत/पद्धति/अंचल, क्षेत्र/भाषा आदि को अधिकतम एक सौ शब्दों में वर्णित करते हुए अग्रिम सूचना के रूप में भेजें।

परिशिष्ट — II

घोषणा-पत्र

(राज्य/ संघ शासित प्रदेश/के.वि.सं./न.वि.स. के द्वारा प्रदत्त घोषणा)

कला उत्सव 2018 में प्रतिभागिता के लिए समस्त प्रमाणित/अनुशासित प्रविष्टियाँ संगीत (कंठ) एकल प्रस्तुति/संगीत (वाद्य वादन) एकल प्रस्तुति/नृत्य एकल प्रस्तुति/चित्रकला, रा.शै.अ.और प्र.प. (एन.सी.ई.आर.टी.) द्वारा प्रदत्त दिशानिर्देशों के अनुसार हैं।

मैंने व्यक्तिगत रूप से इन प्रस्तुतियों का अवलोकन किया एवं मैं प्रमाणित करता हूँ कि यह संस्तुत प्रविष्टियाँ कला उत्सव 2018 के दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं करती हैं।

दिनाँक ___/___/2018

स्थान _____

मोहर के साथ हस्ताक्षर

15 नवम्बर, 2018 तक परिशिष्ट I एवं II को पूर्णरूपेण भर कर, इन्हें निम्नलिखित इ-मेल आईडी पर मेल किया जाना चाहिए – kalautsavncert2015@gmail.com अथवा deaa.ncert@nic.in एवं इसी के साथ-साथ निम्नलिखित पते पर डाक से भी भेजना आवश्यक है —

सेवा में

अध्यक्ष,
कला एवं सौंदर्यबोध शिक्षा विभाग,
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्,
श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110016

** राज्य एवं संघ शासित प्रदेश की संबंधित प्रविष्टियों की संस्तुति/अनुशंसा राज्य/केंद्र प्रदेशों के संबंधित सचिव (शिक्षा) द्वारा की जाएगी तथा के.वि.सं./न.वि.स. से संबंधित प्रविष्टियों की संस्तुति/अनुशंसा, के.वि.सं./न.वि.स. के संबंधित आयुक्त द्वारा की जाएगी।*

1. Kala Utsav—The Legacy

Kala Utsav, launched in 2015, is an initiative of the Department of School Education & Literacy, Ministry of Human Resource Development (MHRD), Government of India, to promote arts in education, by nurturing and showcasing the artistic talent of school students, in the country. The Ministry of Human Resource Development recognises the importance of aesthetics and artistic experiences for secondary-level students, which plays a major role in creating awareness about India's rich cultural heritage and its vibrant diversity. In the context of education of Arts (Music, Theatre, Dance, Visual Arts and Crafts), the initiative is guided by the recommendations of the National Curriculum Framework 2005 (NCF–2005).

Though India has a long tradition of art and artistic practices, a uniform process of identifying artistic talents in school education is yet to be developed. We also have the tradition of using arts in the process of learning. These traditions also show us the creative expansion from the individual to the community, which contributes towards the overall development of the society.

Arts education may be perceived as a tool for development of aesthetic sensibility among learners to enable them to respond to the beauty in various forms, colours, sound and movement. Art integration in education helps to encourage creativity, develop problem-solving ability, and improve the ability to handle mental imagery for better expression.

Kala Utsav was started in 2015 and since then has been regularly organised every year, that is, 2016 and 2017 as a celebration of art forms in the school system. The District/State/National level Kala Utsav have been structured as an art festival to include performances and display of exhibits. The design of Kala Utsav helps students explore, understand and showcase their artistic talent of practicing different art forms. This event gives students the opportunity to understand and celebrate cultural diversity at the school, district, state and national levels. It not only spreads awareness among students, but also creates awareness about India's cultural heritage and its vibrant diversity among other stakeholders. Further, this will help to promote networking of artists, artisans and institutions with schools.

Kala Utsav helps in enhancing the various skills of the participants and prepare them as ambassadors of our culture. It helps the school students in identifying and understanding our diverse tangible and intangible cultural expressions.

This is not a one-time activity but the beginning of a complete process of identifying, exploring, understanding, practicing, evolving and showcasing the artistic talent. Once part of the process, the participants do not just perform a piece from their living traditions, but rather live that cultural experience.

As an effort to mainstream students with special needs (differently-abled and from diverse socio-economic backgrounds) and celebrating their abilities, Kala Utsav is envisaged as a fully integrated platform. It provides an opportunity and favourable environment to nurture and

showcase the talents of children with special needs (CWSN) and helps in making learning more concrete, creative and joyful. Sharing the stage collectively by boys, girls, students from disadvantaged groups and students with special needs will be a precursor in breaking many existing stereotypes.

Students with special needs find an added opportunity to express their hidden talents in Kala Utsav through this initiative and provide them an opportunity to showcase their talent at the national level. Participation of CWSN initiates a multiplier effect and serves as a source of inspiration for others to follow later.

2. General Guidelines for Kala Utsav

2.1 ART FORMS

The focus of Kala Utsav 2018 will be on any one of the styles of traditional, classical, folk or contemporary art forms. The following art forms will be included for competitions:

- Vocal Music
- Instrumental Music
- Dance
- Painting

In the Theater category, one-act play competitions were conducted on the 150th birth anniversary of Mahatma Gandhi in States/UTs. Seven teams selected at the regional level (out of the State/UT level performance) will perform at a national platform during the Kala Utsav 2018. One team each from Kendriya Vidyalaya Sangathan and Navodaya Vidyalaya Samiti schools will also participate. Details of the same will be communicated separately.

2.2 ELIGIBILITY

Students of Classes IX, X, XI and XII of any government, government-aided and private school can participate in the

Kala Utsav 2018. Private schools and schools of other central government organisations / local bodies (like CTSA, demonstration multipurpose schools (DMS) of NCERT, Railways schools, BSF, CRPF, Army, Airforce, Cantonment Boards NDMC, etc.) located in the State/Union Territory will participate at the district and state level competitions, along with the other schools of the State/UT. The KVS and NVS will hold competitions amongst the KVS and NVS and the winning teams will participate as two separate teams from KVS and NVS at the National Level. Thus, total teams participating at the National Level will be 38 [36 States/ UTs+KVS+NVS].

2.3 NATIONAL LEVEL KALA UTSAV

The best of all the entries from State/UTs, KVS and NVS in all the mentioned categories will showcase their talent during the National Level Kala Utsav which will be held at New Delhi in December 2018. For the national level competitions, in every area of arts, there will be a separate jury consisting of experts drawn from educators or practitioners or scholars of the respective art forms. Members of the jury will remain same for all the days of the event. The State, UTs, KVS and NVS are advised to regularly visit the Kala Utsav website (http:/ www.kalautsav.in) for announcements and status updates.

Note: The boarding or lodging arrangements for the participating teams (with their escorts) as per permissible number of participants for each art form from States/UTs, KVS, NVS shall be made by NCERT, New Delhi.

2.4 ENTRIES

This year, all competitions will be solo and not in groups. State/UTs, KVS and NVS can send two entries each, i.e., one boy and one girl students for each art form. Thus each of the State/UTs, KVS, NVS shall have total of eight entries in the art forms mentioned in para 2.1.

Entries for Kala Utsav, will have only those student performers who will prepare under the supervision of the school authorities. No involvement of professional artists or performers will be accepted. However, the teachers will be guiding or facilitating all related activities.

The maximum number of participants recommended in the team of the States, UTs, KVS and NVS is as given below.

Vocal Music (Solo)	1 girl student 1 boy student
Instrumental Music (Solo)	1 girl student 1 boy student
Dance (Solo)	1 girl student 1 boy student
Painting	1 girl student 1 boy student

Note: Every State/UTs, KVS and NVS will nominate one female teacher for female participants and one male teacher for male participants to accompany their teams. In case of CWSN, an additional escort who may either be a parent or a teacher, can be deputed.

Thus, every State, UT, KVS and NVS will send a team consisting of eight student participants and 2–3 teachers or escorts, i.e., a maximum of 11 persons from a State, UT, KVS or NVS.

2.5 AWARDS

All the winners (1st, 2nd and 3rd) will be awarded with cash prize*, a trophy and medals in each art form. All participants will be given a certificate of participation. The cash awards in each art form are as under:

First prize	:	**₹ 25,000/-**
Second prize	:	**₹ 20,000/-**
Third prize	:	**₹ 15,000/-**

* *It would be pertinent to mention that the awarded cash prize would be digitally transferred in State Education Department's Account.*

3. Guidelines for National Level Competitions

All Nodal Officers should personally see the entries, fill up the Declaration Forms for the authentication given in Annex I and II and verify it before uploading or sending them.

3.1 VOCAL MUSIC (SOLO)

- The duration of the performance will be 4–6 minutes.
- An additional 5 minutes will be given for technical setting or removal, arrival and dispersal for the performance.
- The performance can be in any *shaili* or style—traditional, classical, folk, contemporary, etc.
- Music recitals can be in any language or dialect.
- Costumes, settings, props and properties should relate to the presentation.
- Musical instruments can be played by teachers.
- Participants are allowed to sing on recorded tracks or using the orchestra team. The teams have to bring their own tracks, etc.
- The organisers of the competition will provide accompanists on *Tabla*, *Dholak*, *Dhol*, *Naal*, Harmonium, Keyboard. Please give your exact requirement **in advance** along with the form (Annex-I) submitted by the Nodal Officer.

- No additional accompanists other than the teacher or escort will be permitted.
- The textual summary of the style and lyrics of the musical presentations need to be submitted **in advance** in not more than 100 words along with the form (Annex-I) submitted by the Nodal Officer.

Evaluation Sheet — Vocal Music (Solo)

Name of the State/ UT/ KVS/ NVS:

Title of the presentation:

Style (*Shaili*) of singing	*Sur*	*Taal*	Pronunciation of lyrics	Creativity	Authenticity	Presentation	Total Marks
10	20	20	15	10	10	15	100

3.2 INSTRUMENTAL MUSIC (SOLO)

- The duration of the performance will be 4–6 minutes.
- An additional 5 minutes will be given for technical setting or removal, arrival and dispersal for the performance.
- The performance can be on any *shaili*/style — traditional, classical, folk, contemporary, etc.
- Any Indian musical instrument can be played in this category (*Tabla*, *Mridangam*, *Sitar*, *Sarod*, *Bansuri*, Guitar, Violin, *Veena*, *Santoor*, *Shehnai*, etc.). The students will have to bring or provide their own instrument.
- Costumes, settings, props and properties should relate to the presentation.
- The organisers of the competition will provide accompanists on *Tabla*, *Dholak*, *Dhol*, *Naal*, Harmonium, Keyboard. Please give your exact requirement **in advance** along with the form (Annex-I) submitted by the Nodal Officer.
- No additional accompanists other than the teacher and escort in the case of *divyang* will be permitted.
- The textual summary of the style and lyrics of the musical presentations need to be submitted **in advance** in not more than 100 words along with the form (Annex-I) submitted by the Nodal Officer.

Evaluation Sheet—Instrumental Music (Solo)

Name of the State/ UT/ KVS/ NVS:
Title of the presentation:

Style (*Shaili*) of playing	*Sur*	*Taal*	Composition/ content	Handling of the instrument	Authenticity and creativity	Presentation	Total Marks
10	20	20	15	10	10	15	100

3.3 DANCE (SOLO)

- The duration of the performance will be 4–6 minutes.
- An additional 5 minutes will be given for technical setting or removal, arrival and dispersal for the performance.
- The performance can be on any *shaili*/style—traditional, classical, folk, contemporary.
- Music can be either live or recorded.
- Costumes and make-up should be simple, authentic and thematic and relate to the presentation. Sets and costumes, etc., are to be arranged by the teams.
- The organisers of the competition will provide accompanists on *Tabla*, *Dholak*, *Dhol*, *Naal*, Harmonium, Keyboard. Please give your exact requirement **in advance** along with the form (Annex-I) submitted by the Nodal Officer.
- No additional accompanists other than the teacher or escort will be permitted.
- The textual summary of the style and lyrics of the musical presentations need to be submitted **in advance** in not more than 100 words along with the form (Annex-I) submitted by the Nodal Officer.

Evaluation Sheet—Dance (Solo)

Name of the State/ UT/ KVS/ NVS:
Title of the presentation:

Style (*Shaili*) of dance	Sur/ piece of lyrics	Taal	Make up	Costume	Authenticity	Creativity	Presentation	Total Marks
10	15	15	10	10	10	15	15	100

3.4 PAINTING

- The entry in painting category, can be in any style (traditional/ regional or modern/contemporary) and any medium (water colours, oil colours, crayons, pencils, acrylic, etc.).
- Each participant will be permitted one entry only.
- Participants will be expected to paint on the spot during the Kala Utsav. They should not carry any painting made earlier.
- They need not bring painting material with them but they can bring their own brushes and other tools required for the competition. Painting material will be provided at the venue. The specifications about art material will need to be given **in advance** (for example, oil colours, acrylic, crayons, water colours, pencils, etc.) along with the form (Annex-I) submitted by the Nodal Officer.
- The size of painting will not be more than 3 ft. × 3 ft.
- Participants may be asked to narrate about the painting's theme or content or demonstrate before the jury.
- All the teams will be provided adequate space for working and display.
- The textual summary of the style and technique of the presentation needs to be submitted either in Hindi or English **in advance**, in not more than 100 words along with the form (Annex-I) submitted by the Nodal Officer.

Evaluation Sheet — Painting

Name of the State/ UT/ KVS/ NVS:
Title of the presentation:

Style *(Shaili)* of theme	Composition	Originality	Fineness	Display	Overall impact	Presentation/ Narration	Total Marks
10	15	20	10	10	15	20	100

4. Role and Responsibilities of the State/UT Secretary/Commissioners

All the entries from the States and UTs shall be approved by the Secretary, Education and in respect of KVS and NVS, these shall be approved by the respective Commissioner before being forwarded to the national level. The number of members of the teams should be as per the norms mentioned in para 2.4. Only 2 escorts (an additional escort in the case of *divyang*) will be allowed from every State, UT, KVS, NVS to accompany the students. No extra personnel from the State will be provided lodging or boarding or allowed entry to the competition venue. It will not be possible to accommodate extra people from any State, UTs, KVS, NVS due to security reasons and paucity of space. The competent authority of the State, UT, KVS, NVS must ensure that teams are sent for the national level competitions strictly following the guidelines. If extra officials or personnel accompany the teams, then 2 marks per additional official or personnel will be deducted from the State/UT team score of the art form concerned.

In order to maintain smooth functioning of the Kala Utsav, it is requested that teachers or escorts accompanying the teams must ensure observance of proper discipline by students. The teachers or escorts of the respective team shall be held responsible for any misconduct by the team and in such cases the organisers will be forced to take action which may include deduction of marks from the overall evolution and debarring the State, UT, KVS, NVS for one year from participating in the Kala Utsav. Teachers and students will ensure that there is no damage to infrastructure, furniture, etc., and that none of the participants indulge in any sort of misbehaviour or improper conduct. Before the teams are sent for national level competitions, the State, UT, KVS, NVS should brief the participants to cooperate with the local organisers and authority. Teachers or Escorts must keep a strict vigil on their team's activity during the whole event. The students or teams found to be indulging in any form of misconduct or misbehaviour during the event shall be disqualified forthwith.

Annex—I

PROFORMA FOR SUBMITTING KALA UTSAV 2018 ENTRIES

(To be sent by the State/UT/ KVS/ NVS to participate at National Level)

Section A
General Information

1. Name of the State/UT/KVS/NVS: _____

2. Details of the participating team:

S. No.	Name of the Student	Class	Sex (Male/Female/ Others) Also mention the special need, if any	Name of the School, Address with PIN code and type of the School (Government/Government-aided/ KVS/NVS/Private School/Other)	Name of the Art Form Vocal Music (Solo); Instrumental Music (Solo); Dance (Solo) and Painting
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					
8.					

3. Details of the teachers or escorts:

S. No.	Name of the Teacher/ Escort	Designation	Sex (Male/Female/ Others) Also mention the special need, if any	Name of the School, Address with PIN code and type of the School (Government/ Government-aided/KVS/ NVS/Private School/Other)	Name of the Art Form Vocal Music (Solo); Instrumental Music (Solo); Dance (Solo) and Painting
1.					
2.					
3.					

4. Tick (✓) requirements of musical instruments and accompanist for National Kala Utsav from organisers:
   - ❒ *Tabla*
   - ❒ *Dholak*
   - ❒ *Dhol*
   - ❒ *Naal*
   - ❒ Harmonium
   - ❒ Keyboard

5. Tick (✓) on requirement of paints/painting materials for National Kala Utsav from organisers:
   - ❒ Oil paints
   - ❒ Water colours
   - ❒ Acrylic
   - ❒ Crayons
   - ❒ Pencil colours

6. The textual summary in Hindi or English of each presentation consisting of techniques/lyrics/style/region/language, etc., must be submitted in not more than 100 words.

Annex—II

DECLARATION*

(By the State/UT /KVS/NVS)

All the entries submitted for the National Level Kala Utsav for Vocal Music (Solo)/Instrumental Music (Solo)/Dance (Solo)/Painting, are as per the guidelines provided by the NCERT.

.....

I have personally seen the presentations and I certify that they do not violate the Kala Utsav Guidelines.

Dated: ___/___/2018

Place: _____

Signature with seal

After filling up Annex I and II, they should be mailed at: kalautsavncert2015@ gmail.com or deaa.ncert@nic.in before November 15, 2018 and be sent to the following address by post:

To

The Head,
Department of Education in Arts and Aesthetics,
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurbindo Marg, New Delhi 110016

** In case of State and UT declaration will be given by Secretary (Education). In case of KVS and NVS, respective Commissioner will give the declaration.*

विद्ययाऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING